जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 204 प्रभात उदयपुर, बुधवार 28 मई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हरीश चौधरी ने गहलोत की भारी किरकरी की बाड़मेर की जयहिंद रैली में

हरीश चौधरी ने सार्वजनिक रूप से गहलोत के मेवाराम जैन व अमीन खां को पार्टी में वापस लेने के प्रयास पर तेज आवाज़ में भारी विरोध जताया

- हरीश चौधरी ने गहलोत से कहा कि अगर ये दोनों राजनीतिज्ञ आपको बहुत प्रिय हैं, तो आप इन दोनों को अपने घर ले जाएं और अपने साथ रखें। मैं, पश्चिम राजस्थान को झालावाड़ और पाली नहीं बनने दूंगा। आपकी ओछी राजनीति के कारण पश्चिमी राजस्थान में कांग्रेस की यह स्थिति हुई है। आप इन दोनों के साथ बैठना चाहें तो बैठें, पर, मैं नहीं बैठूंगा।
- जैसा कि विदित ही है, मेवाराम जैन, उनकी सीडी सार्वजनिक होने के बाद और अमीन खां गहलोत के इशारे से कांग्रेस उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़े थे तथा कांग्रेस के उम्मीदवार चुनाव हारे थे।
- प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने दोनों को पार्टी से निष्कासित कर दिया था।
- गहलोत, जयहिंद रैली के मार्फत, मेवाराम व अमीन खां को मंच पर बैठाकर पार्टी में शामिल करवाने का प्रयास कर रहे थे।
- पर, हरीश चौधरी ने सार्वजनिक रूप से गहलोत की साजिश का विरोध कर, गहलोत का प्रयास विफल किया।
- रणदीप सिंह सुरजेवाला, हेमाराम चौधरी व डोटासरा ने भी गहलोत के इस प्रयास की निंदा की।
- सुरजेवाला ने दोनों के साथ मुलाकात करने से इन्कार कर दिया, यह कहकर कि मैंने इन दोनों को तो यहाँ बुलाया ही नहीं है।
- जब मेवाराम व अमीन खां को इतना रूखा व्यवहार मिला तो क्रोधित होकर अमीन खां ने कहा, "....... यह कांग्रेस पार्टी का अंत है।"

-रेणू मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस पार्टी के भीतर अशोक गहलोत द्वारा दो निलंबित नेताओं को पार्टी में वापस लाने की कोशिश करने से भीषण अंदरूनी कलह छिड़ गई है। ये दोनों नेता पूर्व मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं।

हरीश चौधरी ने गहलोत की इस कोशिश का सार्वजनिक रूप से भारी विरोध किया है और दोनों नेताओं के बीच सार्वजनिक रुप से तीखी बहस भी हुई है।

रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे नेता, जो पहले गहलोत की हर बात से सहमत होते थे, उन्होंने भी अब इस मामले से खुद को अलग कर लिया है और स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने इन निलंबित नेताओं को न तो बुलाया है और न ही वे उनसे मिलेंगे।

जय हिंद रैली, जो कल बाड़मेर में हुई, उसमें हरीश चौधरी ने मंच से इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कुछ लोगों को अनुशासनहीनता के लिए पार्टी से निकाला था, लेकिन कुछ लोग उन्हें समर्थन दे रहे हैं। उनका संकेत स्पष्ट रूप से अशोक गहलोत की ओर था, जिन्होंने मंच से खान की सराहना की थी।

एयरपोर्ट पर मामला और बिगड़ गया। हरीश चौधरी ने गहलोत का सामना करते हुए कहा – "अगर आपको इन दोनों नेताओं से इतना ही प्रेम है, तो इन्हें अपने घर ले जाकर रखें।"

इस पर गुस्साए गहलोत बोले – "तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझसे ऐसे बात करने की।"

हरीश चौधरी ने जवाब दिया – "पश्चिम में 12 में से 1 सांसद जीत गया तो आपको तकलीफ हो गई... झालावाड़ और पाली नहीं बनने दूंगा बाड़मेर को," जहां गहलोत की राजनीति और जोड़तोड़ की वजह से कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में एक दिन में करोना के नौ मामले सामने आये

जयपुर, 27 मई। कोरोना वायरस संक्रमण एक बार फिर रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है। मंगलवार को राज्य में 9 नए कोविड-19 संक्रमित मरीजों की पुष्टि हुई है। नए मामलों में से 2 एम्स जोधपुर, 2 एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर, 4 बी-लाल लैब जयपुर और 1 आणविक डायग्नोस्टिक सेंटर जयपुर से सामने आए हैं।

इन मरीजों में 35 वर्षीय महिला और 16 दिन का नवजात शिशु जोधपुर से संक्रमित पाए गए हैं। वहीं, जयपुर में 64 वर्षीय महिला, 34 वर्षीय महिला, 64 वर्षीय पुरुष, 53 वर्षीय पुरुष, 22 वर्षीय महिला, 41 वर्षीय पुरुष और 33 वर्षीय पुरुष की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

- अब तक जयपुर में 13, जोधपुर में 6, उदयपुर में 4, डीडवाना में 3, अजमेर में 2, बीकानेर, फलौदी, सवाई माधोपुर में एक-एक मामला सामने आया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक कुल 32 कोविड मरीज सामने आ चुके हैं, जिनमें से एक की मौत भी हो चुकी है। जिलेवार संक्रमण का आंकड़ा इस प्रकार है:

जयपुर 13, जोधपुर 6, उदयपुर 4, डीडवाना 3, अजमेर 2, बीकानेर 1, फलोदी 1, सवाई माधोपुर 1 सहित, एक अन्य मामला शामिल है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अपील की है कि संक्रमण भले ही सीमित संख्या में हो, लेकिन सतर्कता बेहद जरूरी है। मास्क, हाथ धोने की आदत और भीड़-भाड़ से बचाव अब भी प्रासंगिक हैं।

गंभीर राजनीतिक परिवर्तन की आशंका से भारी चिंता में है, तृणमूल सरकार बंगाल में

चर्चा है, प.बंगाल के राज्यपाल आनन्द बोस को हटाया जा रहा है तथा उनकी जगह आयेंगी सुप्रीम कोर्ट से हाल ही में रिटायर हुई न्यायाधीश बेला मधुर त्रिवेदी

- बी.एम. त्रिवेदी, असाधारण न्यायाधीश थीं, सुप्रीम कोर्ट में, जो बड़े-बड़े दिग्गज वकीलों के खिलाफ भी टिप्पणी व कार्यवाही करने में नहीं हिचकिचायी थीं, अगर उन्होंने महसूस किया कि वे दिग्गज वकील सुप्रीम कोर्ट की गरिमा के अनुरूप व्यवहार नहीं कर रहे।
- बंगाल के वर्तमान गवर्नर आनन्द बोस पहले तो ममता बनर्जी से सख्ती से पेश आ रहे थे, पर, धीरे-धीरे ममता जी ने उन्हें होशियारी से इतना "प्रभावित" कर लिया कि वे ममता जी की हाँ में हाँ मिलाने लगे थे।
- अतः अगर बी.एम. त्रिवेदी, आनन्द बोस की जगह लेती हैं तो ममता जी का असामान्य होना स्वाभाविक ही है। विशेषकर, जबकि बंगाल के विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं तथा बंगाल सरकार के कई मंत्री, जैसे पार्थो चटर्जी, कई सालों से भ्रष्टाचार के मामलों के कारण जेल में हैं तथा एक जूनियर महिला डॉक्टर की अस्पताल में मृत्यु का मामला अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति रद्द कर दी गई है और नियुक्ति रद्द होने से उत्तेजित टीचर्स सड़कों पर आ गये हैं तथा उनके रैली-प्रदर्शन जारी हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। बंगाल में बदलाव की हवा महसूस की जा रही है। बंगाल के वर्तमान राज्यपाल, सी.वी. आनंद बोस, जल्द ही पद छोड़ने वाले हैं।

लेकिन बात केवल उनके जाने की नहीं है। उनके स्थान पर जो नाम उभर रहा है, वह राज्य के कई राजनेताओं में सिहरन पैदा कर रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वर्तमान राज्यपाल के बीच शुरुआती दौर में कई मुद्दों पर विवाद हुआ।

लेकिन ममता बनर्जी जैसी निपुण राजनेता ने आनंद बोस के साथ टकराव में इतनी चतुराई से काम लिया कि कुछ समय बाद राज्यपाल उनके हाथों की कठपुतली की तरह हो गए। यह स्थिति मुख्यमंत्री के लिए बहुत आरामदायक और आसान साबित हुई।

लेकिन अब खबरें हैं कि बी.एम. त्रिवेदी, जो सुप्रीम कोर्ट की हाल ही में सेवानिवृत्त हुई दबंग जज हैं, को अगला राज्यपाल बनाए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री के लिए एक और महिला को संभालना, वह भी बेला मधुर त्रिवेदी को, इतना आसान नहीं होगा।

त्रिवेदी "इंडिया" गठबंधन के लिए एक बड़ा खतरा रही हैं और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट बार के कई बड़े नामों को नाकों चने चबवा दिये तथा उनकी कड़ी आलोचना करते हुये, उन्हें नीचा दिखाया। उनके द्वारा की गई आलोचना इतनी गहरी, तीखी एवं कठोर रही कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों ने उनकी विदाई समारोह में शामिल होने से इनकार कर दिया।

वरिष्ठ वकीलों का यह एक अभूतपूर्व कदम था, क्योंकि पहले कभी भी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकीलों ने किसी वरिष्ठ न्यायाधीश के विदाई समारोह का बहिष्कार नहीं किया था। न्यायमूर्ति त्रिवेदी कभी भी सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम वकीलों के खिलाफ कदम उठाने में हिचकिचाईं नहीं, यदि उन्हें लगा कि वे उच्चतम न्यायालय की गरिमा के खिलाफ व्यवहार कर रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने गौरव गोगोई को आसाम कांग्रेस का मुखिया बनाया

- 2026 के चुनाव से पूर्व कांग्रेस, आसाम के मु.मंत्री हेमन्त बिस्वा शर्मा के समक्ष चुनौती देना चाहती है कि गोगोई के खिलाफ उनका प्रचार कितना मिथ्या है।
- मु.मंत्री शर्मा काफी समय से गोगोई पर आरोप लगा रहे हैं कि गोगोई के पाकिस्तान की इन्टैलिजैंस एजेन्सी आईएसआई से संबंध हैं तथा उनका प्रचार पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद और तीव्र व तीखा हो गया है।
- गोगोई का हाथ बंटाने के लिए कांग्रेस ने आसाम में तीन कार्यकारी अध्यक्ष, जाकिर हुसैन, सिकंदर, रोजलीना तिर्की व प्रदीप सरकार भी नियुक्त किये हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। कांग्रेस पार्टी ने जोरहाट से सांसद और लोकसभा में पार्टी के उप नेता गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (ए.पी.सी.सी.) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। गौरव गोगोई के पिता तरुण गोगोई सबसे लंबे समय तक असम के मुख्यमंत्री रहे थे।

उन्होंने भूपेन कुमार बोराह का स्थान लिया है, जो लगभग चार वर्षों तक असम कांग्रेस के अध्यक्ष रहे।

कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने यह घोषणा करते हुए असम कांग्रेस के तीन नए कार्यकारी अध्यक्षों के नाम भी बताए, जाकिर हुसैन सिकदर, रोज़लीना तिर्की, और प्रताप सरकार।

माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व ने 2026 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पूर्व गौरव गोगोई को असम कांग्रेस की कमान सौंपकर, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने फरवरी से गोगोई पर निशाना साधना शुरू किया था, और उन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध रखने का आरोप लगाया। ये हमले पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद और भी तेज हो गए।

जस्टिस संजीव शर्मा के राजस्थान ट्रांसफर की सिफारिश

जयपुर, 27 मई। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट से जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को उनके मूल राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला करने की सिफारिश की है। वहीं, राजस्थान हाईकोर्ट से जस्टिस श्रीचन्द्रशेखर को बॉम्बे हाईकोर्ट व जस्टिस अरुण कुमार मोंगा को दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की गई है।

- जस्टिस संजीव शर्मा 2016 में राजस्थान में जज बने थे, फिर 2022 में उनका पटना हाई कोर्ट में ट्रांसफर हो गया था।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के 21 हाईकोर्ट जजों को विभिन्न हाईकोर्ट में ट्रांसफर करने की सिफारिश की है। दरअसल राजस्थान हाईकोर्ट में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तेज प्रताप के निष्कासन का ड्रामा लालू यादव ने आने वाले चुनाव की दृष्टि से रचा है'

लालू यादव की पुत्रवधु, तेज प्रताप की पत्नी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित कर यह आरोप लगाया, लालू यादव के परिवार पर

- तेज प्रताप द्वारा वायरल किये गये वीडियो में तेज प्रताप ने यह स्पष्ट कहा था कि वे गत बारह साल से एक अनुष्का यादव के साथ "लिव इन" रिश्ते में हैं।
- लालू यादव का शायद मानना है कि बिहार चुनाव के पूर्व जब उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के मामलों में जाँच चल रही है तो तेज प्रताप द्वारा यह वीडियो जारी करने से लालू यादव परिवार के लिये कई और दिक्कत खड़ी हो सकती हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महीने के अंत में बिहार दौरे पर जा रहे हैं, जो इस साल में उनकी तीसरी यात्रा होगी। इस समय राज्य में चुनावी सरगर्मियां चरम पर हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के भीतर तेज राजनीतिक उथल-पुथल मची है। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को छह साल के लिए पार्टी से ही नहीं, बल्कि परिवार से भी निष्कासित कर दिया है।

ऐसे समय में जबकि, वर्तमान मुख्यमंत्री और जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष नीतीश कुमार की राजनीतिक पकड़ कमजोर पड़ती दिख रही है, तथा राज्य भाजपा भी नेतृत्व संकट से जूझ रही है राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन इस साल के विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए हुए है।

लालू यादव चिंतित हैं कि उनके बड़े पुत्र तेज प्रताप की हरकतें राजद नेतृत्व वाले महागठबंधन की संभावनाएं खराब कर सकती हैं इसलिए लालू प्रसाद ने अप्रत्याशित रूप से तेज प्रताप को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया। यह निर्णय एक "डैमेज कंट्रोल" के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि तेज प्रताप के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने लालू को नाराज़ कर दिया, जिसमें उन्होंने किसी अनुष्का यादव के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की थीं और दावा किया था कि वे 12 साल से रिश्ते में हैं। यह पोस्ट अब हटा ली गई है। गौरतलब है कि तेज प्रताप की शादी पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्रसाद राय की नातिन ऐश्वर्या से हुई थी, लेकिन वह शादी छह महीने भी नहीं चल सकी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आतंकवाद के खिलाफ सिंगापुर भारत के साथ'

सिंगापुर, 27 मई सिंगापुर ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति पुरजोर समर्थन व्यक्त किया है।

जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष एवं सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज यहां सिंगापुर की विदेश एवं गृह राज्य मंत्री सिम एन से मुलाकात की।

- सिंगापुर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात में सिंगापुर की विदेश एवं गृह राज्यमंत्री ने यह भी कहा कि सिंगापुर आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है।

सिंगापुर सरकार में वरिष्ठ राज्य मंत्री सिम एन ने कहा कि सिंगापुर आतंकवाद के सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर और भारत करीबी भागीदार हैं और द्विपक्षीय सहयोग को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विदेशी निवेशकों ने अपने 96 प्रतिशत इन्वेस्टमैंट वापस ले लिए हैं भारत से

प्रतिष्ठित इकॉनमिस्ट अरूण कुमार के अनुसार, स्थिति और बदतर होती जायेगी, समय के साथ-साथ

- मौके का फायदा उठाते हुए, कांग्रेस पार्टी ने आगामी चुनाव में इसे ही मुख्य मुद्दा बनाने का फैसला किया है।
- पार्टी के नज़दीकी लोगों का कहना है कि बेरोज़गारी, महँगाई के आकड़ें, जो सच्चाई बता रहे हैं, उसकी वजह से जनता का बिगड़ता मूड ठीक करने के लिए सरकार इन मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए, नये-नये मुद्दों पर फोकस करना चाहती है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 मई। भारतीय अर्थव्यवस्था एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में आ गई है क्योंकि फॉरैन डायरैक्ट इन्वैस्टमैंट (एफडीआई) में भारी गिरावट देखी जा रही है, जिससे निवेशकों के विश्वास और वित्तीय बाजारों की स्थिरता को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा हो गई हैं।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से लगभग 96 प्रतिशत निवेश निकाल लिया है, जिससे नीतिगत हलकों और आम जनता के बीच आर्थिक चिंता की लहर दौड़ गई है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर अरुण कुमार ने इस चिंताजनक प्रवृत्ति के लिए भारत के व्याप्त वित्तीय असुरक्षा और आर्थिक माहौल में बढ़ती अनिश्चितता को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने कहा, एफडीआई की इतनी बड़ी मात्रा में निकासी नीतिगत ढांचे और बाज़ार में विश्वास से संबंधित गहरी समस्याओं को दर्शाती है।" उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के तहत संरक्षणवादी नीतियों की वापसी के बाद से स्थिति और बिगड़ सकती है।

कांग्रेस पार्टी ने इस अवसर को लपक लिया और स्थिति को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की "गंभीर विफलता" बताते हुए आर्थिक मोर्चे पर हमला तेज कर दिया हे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बढ़ती बेरोज़गारी को लेकर गहरी चिंता जताई है और दावा किया है कि इसका देश भर में युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विनाशकारी असर पड़ रहा है।

रणनीतिक दृष्टिकोण से कांग्रेस पार्टी ने आगामी राज्य चुनावों, विशेषकर बिहार, में आर्थिक संकट को अपने अभियान को केन्द्रीय मुद्दा बनाने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आर्थिक संकट के साथ-साथ जातीय जनगणना जैसे मुद्दों को लेकर कांग्रेस, इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आर्थिक कुप्रबंधन के लिए घेरने की रणनीति अपना रही है।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ रणनीतिकार ने कहा, "अर्थव्यवस्था की रक्षा करने में मोदी सरकार की विफलता आगामी चुनावों में प्रमुख मुद्दा होगी। यह भी जोड़ा कि बेरोज़गारी और महंगाई को लेकर जनता का गुस्सा चरम पर है। पार्टी कई रैलियों और अभियानों का आयोजन करेगी ताकि इन मुद्दों को जनचर्चा का केन्द्र बनाया जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि मोदी सरकार आर्थिक संकेतकों की बिगड़ती स्थिति से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। एक प्रमुख राजनीतिक टिप्पणीकार ने कहा, "स्थिति की गंभीरता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन मुख्य मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं।"

इस स्थिति का असर छोटे और मझोले उद्यमों पर भी पड़ा है, जिन्हें भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।

मांग और आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और नीतिगत असंगतियों के कारण इन उद्यमों की आय घट रही है और निर्यात क्षेत्र सुस्त पड़ा है।

कभी भारतीय अर्थव्यवस्था की ताकत माने जाने वाले निर्यात क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में काफी गिरावट आई है। उद्योग जगत के दिग्गजों ने मौजूदा शासन के तहत जटिल नियमों, बदलते व्यापार मानकों और वित्तीय प्रोत्साहनों की कमी को प्रमुख अड़चनें बताया है।

जैसे-जैसे आम चुनाव नज़दीक आ रही हैं, संभावना है कि मुद्दे राजनीतिक विचार-विमर्श में प्रमुख भूमिका निभाने लगेंगे।

एफडीआई का सूखना, बढ़ती बेरोज़गारी और छोटे व मझोले उद्योगों पर बढ़ता दबाव विपक्षी दलों के लिए मोदी सरकार को घेरने का एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

प्रथम प्र.मंत्री पं. नेहरु को श्रद्धांजलि अर्पित

नयी दिल्ली 27 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित उन्हें नमन किया और कहा कि उनके महान योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है।

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में पं. नेहरु के योगदान को याद किया।

खड़गे ने कहा नागरिकता, देश की सेवा में होती है-पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत को शून्य से शिखर तक पहुँचाने वाले, आधुनिक भारत के निर्माता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)